MEMORANDUM OF UNDERSTANDING
BETWEEN
THE MINISTRY FOR THE ECOLOGICAL TRANSITION
OF THE FRENCH REPUBLIC
AND
THE MINISTRY OF NEW AND RENEWABLE ENERGY
OF THE REPUBLIC OF INDIA
ON RENEWABLE ENERGY COOPERATION

The Ministry for the Ecological Transition of the French Republic and The Ministry of New and Renewable Energy of the Republic of India (hereinafter referred to as "the Parties");

RECOGNIZING that both France and India have ambitious targets regarding the further application of renewable energy options;

COMMITTED to work jointly to foster the transition to a low carbon and resources efficient economy;

INTENDING to deepen the successful cooperation between their respective countries in matters relating to the development and utilization of renewable energy, acknowledging their importance in providing for the energy needs of their respective countries;

CONVINCED of the necessity of a lasting and effective cooperation in the interest of both countries;

HAVE REACHED the following understanding:

ARTICLE 1 : OBJECTIVE

The objective of this Memorandum of Understanding is to establish the basis for a cooperative institutional relationship to encourage and promote technical

bilateral cooperation on new and renewable energy issues on the basis of mutual benefit, equality and reciprocity.

ARTICLE 2 : AREAS OF COOPERATION

The Parties will, subject to the laws, rules and national policies in force, governing the subject matter in their respective countries, endeavor to take necessary steps to encourage and promote cooperation in renewable energy. The areas of cooperation will focus on development of new and renewable energy technologies in the following fields:

a) Solar
b) Wind energy
c) Hydrogen
d) Biomass
e) Any other mutually agreed areas

ARTICLE 3 : MODALITIES OF COOPERATION

Cooperation under this Memorandum of Understanding may take the following modalities:

a) Exchange and training of scientific and technical personnel
b) Exchange of scientific and technological available information and data
c) Organization of workshops, seminars
d) Transfer of equipment, know-how and technology on a commercial or non-commercial basis
e) Development of joint research or technical projects on subjects of mutual interest
f) Other modalities as may be decided upon later by the Parties

ARTICLE 4 :JOINT WORKING GROUP

In order to coordinate the above mentioned activities and decide upon project proposals related to design and development of various renewable energy technologies, the Parties may establish a "Joint Working Group" (JWG) with the

following functions:

a. Identifying areas of mutual interest and cooperation for development of renewable energy technologies, systems, sub-systems, devices, components etc.;
b. Monitoring and evaluating cooperation activities; and
c. Any other activities as may be agreed upon by the Parties in writing.

The Parties will designate one main representative each to the Joint Working Group for the aforesaid activities. The Joint Working Group will to the extent possible conduct the work through electronic communication, but meet alternately in India and France whenever considered necessary.

The Joint Working Group can co-opt other members from scientific institutions, research centres, universities or any other entity, as mutually agreed by both sides.

ARTICLE 5: FINANCING

Each Party will bear all the costs of its own participation in all programs of cooperation and in the meetings contemplated under this Memorandum of Understanding, within the limitations of the operating budget.

ARTICLE 6 : SETTLEMENT OF DISPUTES

Any dispute concerning the interpretation or application of this Memorandum of Understanding will be settled amicably by negotiations and mutual consent between the Parties.

ARTICLE 7 : AMENDMENTS

This Memorandum of Understanding may be amended, revised or modified by mutual written decision of the Parties.

ARTICLE 8 : ENTRY INTO FORCE, DURATION AND TERMINATION

The Memorandum of Understanding shall enter into force on the date of its signing by the duly authorised representatives of the Parties, and shall remain in force for a period of 5 years. This Memorandum of Understanding may be renewed by mutual consent of the Parties.

Either Party may terminate this Memorandum of Understanding. Such decision will be communicated in writing to the other Party at least three months prior to its termination. The termination of this Memorandum of Understanding shall not affect the validity and duration of any ongoing program and projects under this Memorandum of Understanding.

IN WITNESS THEREOF, The undersigned being duly authorized thereto have signed this Memorandum of Understanding

at .....NEW DELHI..... on .....28th JANUARY..... 2021 in two originals, each, in French, English and Hindi languages, all texts being equally authentic.

For the Ministry for the Ecological Transition, Government of the French Republic	For the Ministry of New and Renewable Energy, Government of the Republic of India
Mrs. Barbara Pompili	Mr. R. K. Singh
Minister for the Ecological Transition	Minister of State (Independent Charge) of New and Renewable Energy

भारत गणराज्य के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
तथा
फ्रांस गणराज्य के इकोलॉजिकल ट्रांजिशन मंत्रालय
के बीच
अक्षय ऊर्जा सहयोग पर
समझौता ज्ञापन

भारत गणराज्य के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा फ्रांस गणराज्य के इकोलॉजिकल ट्रांजिशन मंत्रालय (इसके बाद इसे "पक्षों" के रूप में उल्लेख किया गया है);

यह मानते हुए कि अक्षय ऊर्जा विकल्पों का आगे प्रयोग करने के संबंध में फ्रांस और भारत दोनों के, महत्वाकांक्षी लक्ष्य हैं;

यह प्रतिबद्धता करते हुए कि कम कार्बन और संसाधनों में सक्षम अर्थव्यवस्था के लिए बदलाव को प्रोत्साहन देने के लिए संयुक्त रूप से कार्य करना है;

यह आशय रखते हुए कि अपने-अपने देशों की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए उनके महत्व को स्वीकार करते हुए अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग से संबंधित मामलों में अपने-अपने देशों के बीच सफल सहयोग को घनिष्ठ करना है;

आश्वस्त होकर कि दोनों देशों के हित में एक स्थायी और प्रभावी सहयोग की आवश्यकता है;
निम्नलिखित समझौते पर पंहुचे हैं:

अनुच्छेद-1 : उद्देश्य

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य आपसी लाभ, समानता और पारस्परिकता के आधार पर नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा से संबंधित मामलों पर तकनीकी द्विपक्षीय सहयोग को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए एक सहयोगात्मक संस्थागत संबंध के लिए आधार स्थापित करना है।

अनुच्छेद 2 : सहयोग के क्षेत्र

दोनों पक्ष, अपने-अपने देशों में इस विषय पर लागू कानूनों, नियमों और राष्ट्रीय नीतियों के अध्यधीन, अक्षय ऊर्जा में सहयोग को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए हर संभव

प्रयास करेंगे। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियो के विकास के संबंध में सहयोग के क्षेत्रों में निम्नलिखित पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगाः

क) सौर
ख) पवन ऊर्जा
ग) हाइड्रोजन
घ) बायोमास
ङ) आपसी सहमति से कोई अन्य क्षेत्र

अनुच्छेद 3 : सहयोगात्मक क्रियाकलाप

इस समझौता ज्ञापन के तहत निम्नलिखित क्रियाकलापों पर सहयोग किया जा सकता हैः

क) वैज्ञानिक और तकनीकी कार्मिकों का आदान-प्रदान और प्रशिक्षण
ख) वैज्ञानिक और तकनीकी रुप से उपलब्ध सूचना और डेटा का आदान-प्रदान
ग) कार्यशालाओं, सेमिनारों का आयोजन
घ) वाणिज्यिक या गैर-वाणिज्यिक आधार पर उपकरण, जानकारी और प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण
ङ) आपसी हित के विषयों पर संयुक्त अनुसंधान या तकनीकी परियोजनाओं का विकास
च) अन्य क्रियाकलाप, जिन पर दोनों पक्षों द्वारा बाद में निर्णय लिया जा सकता है

अनुच्छेद 4 : संयुक्त कार्य समूह

उपरोक्त क्रियाकलापों के बीच समन्वय स्थापित करने और विभिन्न अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की रुपरेखा और विकास से संबंधित परियोजना प्रस्तावों पर निर्णय लेने के लिए, दोनों पक्ष निम्नलिखित कार्यों के साथ "संयुक्त कार्य समूह" (जेडब्लूजी) की स्थापना कर सकते हैः

क. अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, प्रणालियों, उप-प्रणालियों, उपकरणों, घटकों आदि के विकास के लिए परस्पर हितों और सहयोग के क्षेत्रों की पहचान;
ख. सहयोगात्मक क्रियाकलापों की निगरानी और मूल्यांकन; तथा
ग. अन्य कोई क्रियाकलाप, जिन पर दोनों पक्षों के बीच लिखित सहमति हो।

दोनों पक्षों द्वारा उक्त क्रियाकलापों के लिए संयुक्त कार्य समूह के लिए एक-एक मुख्य प्रतिनिधि नामित किया जाएगा। संयुक्त कार्य समूह द्वारा, जहां तक संभव हो, इलेक्ट्रॉनिक संचार के माध्यम से कार्य किया जाएगा, परंतु आवश्यकता पड़ने भारत और फ्राँस में पर बारी-बारी से बैठक की जाएगी।

संयुक्त कार्य समूह द्वारा वैज्ञानिक संस्थानों, अनुसंधान केन्द्रों, विश्वविद्यालयों या दोनों पक्षों की आपसी सहमति से किसी अन्य संस्था से सदस्यों को नामित किया जा सकता है।

अनुच्छेद 5: वित्त व्यवस्था

प्रत्येक पक्ष द्वारा सहयोग के सभी कार्यक्रमों में और इस समझौता ज्ञापन के तहत होने वाली बैठकों में, अपनी बजट सीमा के भीतर अपनी भागीदारी के खर्च का वहन किया जाएगा।

अनुच्छेद 6 : विवाद का निपटान

इस समझौता ज्ञापन की व्याख्या या उपयोग से संबंधित किसी भी विवाद का समाधान दोनों पक्षों के बीच बातचीत और आपसी सहमति से सौहार्दपूर्ण तरीके से किया जाएगा।

अनुच्छेद 7 : संशोधन

इस समझौता ज्ञापन में दोनों पक्षों की आपसी सहमति से लिखित निर्णय के द्वारा सुधार, संशोधन या बदलाव किया जा सकेगा।

अनुच्छेद 8 : लागू होना, अवधि और समाप्ति

यह समझौता ज्ञापन, दोनों पक्षों के अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा हस्ताक्षर किए जाने की तिथि से लागू होगा और 5 वर्ष की अवधि के लिए लागू रहेगा। इस समझौता ज्ञापन को पक्षों की आपसी सहमति से नवीनीकृत किया जा सकेगा।

कोई भी पक्ष इस समझौता ज्ञापन को समाप्त कर सकता है। इस प्रकार के निर्णय के बारे में दूसरे पक्ष को इसकी समाप्ति से कम-से-कम तीन माह पूर्व लिखित रूप में सूचित किया

जाएगा। इस समझौता ज्ञापन के समाप्त होने से इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत किसी भी वर्तमान कार्यक्रम या परियोजनाओं की वैधता या अवधि पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

इसके साक्ष्यस्वरूप, अधोहस्ताक्षरकर्ताओं ने विधिवत अधिकृत किये जाने पर, इस समझौता ज्ञापन पर नई दिल्ली ..... में दिनांक 28th Jan 2021 को फ्रेंच, अंग्रेजी और हिंदी भाषा के दो-दो मूल पाठ पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें सभी पाठ समान रूप से प्रामाणिक होंगे।

इकोलॉजिकल ट्रांजिशन मंत्रालय,
फ्रांस गणराज्य की सरकार की ओर से

सुश्री बर्बरा पोम्पिली
इकोलॉजिकल ट्रांजिशन मंत्री

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय,
भारत गणराज्य की सरकार की ओर से

श्री आर.के. सिंह
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री
(स्वतंत्र प्रभार)

ARRANGEMENT ADMINISTRATIF

ENTRE LE MINISTÈRE DE LA TRANSITION ÉCOLOGIQUE

DE LA RÉPUBLIQUE FRANÇAISE

ET

LE MINISTÈRE DES ÉNERGIES NOUVELLES ET RENOUVELABLES

DE LA RÉPUBLIQUE DE L'INDE

RELATIF À LA COOPÉRATION DANS LE DOMAINE DES ÉNERGIES RENOUVELABLES

Le Ministère de la Transition Ecologique de la République française et le Ministère des Énergies nouvelles et renouvelables de la République de l'Inde (ci-après dénommés les « Parties »),

RECONNAISSANT que la France et l'Inde ont des objectifs ambitieux concernant la poursuite de la mise en œuvre des options d'énergies renouvelables,

ATTACHÉS à travailler ensemble pour promouvoir la transition vers une économie à faible émission de carbone et efficace dans l'utilisation des ressources,

DÉSIREUX d'établir une coopération réussie entre leurs pays respectifs dans les questions liées au développement et à l'utilisation des énergies renouvelables, reconnaissant leur importance pour répondre aux besoins énergétiques de leurs pays respectifs,

CONVAINCUS de la nécessité d'une coopération durable et efficace dans l'intérêt des deux pays ,

ONT CONCLU l'accord suivant :

ARTICLE 1 : OBJECTIF

L'objectif du présent arrangement administratif est de mettre en place les fondements de relations de coopération institutionnelle afin d'encourager et de promouvoir la coopération bilatérale technique dans le domaine des énergies nouvelles et renouvelables sur la base du bénéfice mutuel, de l'égalité et de la réciprocité.

ARTICLE 2 : DOMAINES DE COOPÉRATION

Sous réserve des lois, règlements et politiques nationales en vigueur régissant la question traitée dans leurs pays respectifs, les Parties s'efforceront de prendre les mesures nécessaires pour encourager et promouvoir la coopération dans le domaine des énergies renouvelables. Les domaines de coopération porteront sur le développement des technologies liées aux énergies nouvelles et renouvelables dans les domaines suivants:

a) Solaire
b) Energie éolienne
c) Hydrogène
d) Biomasse
e) Tout autre domaine convenu d'un commun accord

ARTICLE 3 : MODALITES DE COOPERATION

La coopération en application du présent arrangement administratif peut prendre les formes suivantes :

a) Échange et formation de personnel scientifique et technique
b) Échange d'informations et de données scientifiques et technologiques disponibles
c) Organisation d'ateliers, de séminaires
d) Transfert d'équipements, de savoir-faire et de technologies sur une base commerciale et non commerciale
e) Développement de projets techniques ou de recherche conjoints sur des sujets d'intérêt mutuel
f) Autres modalités pouvant être définies ultérieurement par les Parties.

ARTICLE 4 : GROUPE DE TRAVAIL CONJOINT

Pour coordonner les activités mentionnées ci-dessus et décider des propositions de projets relatifs à la conception et au développement de différentes technologies liées aux énergies renouvelables, les Parties pourraient créer un «Groupe de travail mixte» ayant les fonctions suivantes :

a) identification des domaines d'intérêt mutuel et de coopération au développement de technologies, systèmes, sous-systèmes, dispositifs, composants, etc. liés aux énergies renouvelables

b) suivi et évaluation des activités de coopération; et
c) toute autre activité sur laquelle les Parties s'accorderaient ultérieurement par écrit.

Les Parties désigneront chacune un représentant principal auprès du groupe de travail mixte pour les activités susmentionnées. Le Groupe de travail mixte mène ses travaux,

dans la mesure du possible, par des moyens de communication électronique mais se réunit alternativement en Inde et en France lorsque cela est jugé nécessaire.

Le Groupe de travail mixte peut coopter d'autres membres d'institutions scientifiques, de centres de recherche, d'universités ou de toute autre entité convenue d'un commun accord.

ARTICLE 5 : FINANCEMENT

Chaque Partie prendra en charge les coûts de sa propre participation à tous les programmes de coopération et aux réunions prévues par le présent arrangement administratif, dans les limites du budget de fonctionnement.

ARTICLE 6 : RÈGLEMENT DES DIFFÉRENDS

Tout différend relatif à l'interprétation ou à l'application du présent arrangement administratif sera réglé à l'amiable par voie de négociations et de consentement mutuel entre les Parties.

ARTICLE 7 : MODIFICATIONS

Le présent arrangement administratif peut être amendé, révisé ou modifié par décision écrite mutuelle des Parties.

ARTICLE 8 : ENTRÉE EN VIGUEUR, DURÉE ET DÉNONCIATION

Le présent arrangement administratif entre en vigueur à la date de sa signature et demeure en vigueur pour une durée de cinq (5) ans. Le présent arrangement administratif peut être renouvelé par consentement mutuel des Parties.Chacune des Parties peut dénoncer le présent arrangement administratif. Cette décision est communiquée par écrit à l'autre Partie au moins trois mois avant sa dénonciation. La dénonciation du présent arrangement administratif n'affecte pas la validité et la durée des programmes et projets en cours au titre du présent arrangement administratif.

EN FOI DE QUOI les soussignés, dûment habilités à cet effet ont signé le présent arrangement administratif

à NEW DELHI;, le 28th Jan 2021 .. en deux exemplaires originaux, chacun en langues française, anglaise, hindi, les différentes versions faisant foi.

La Ministre de la Transition Écologique de la République française	Le ministre des Energies nouvelles et renouvelables de la République de l'Inde
Barbara Pompili	Shr. Raj Kumar Singh